

प्रेषक,

एम०एच०खान  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 7 जून, 2010

विषय: राज्य स्तरीय पेयजल सलाहकार समिति के मा० अध्यक्ष के मानदेय, यात्रा व्यय, कार्यालय व्यय, स्टाफ आदि पर व्यय हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 355/मुख्यालय अनुभाग/अधिष्ठान सामान्य/33 दिनांक 19.04.10 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य स्तर पर पेयजल विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड जल संस्थान, पेयजल निगम एवं स्वजल परियोजना विभागों के कार्यों में गुणवत्ता लाये जाने तथा जल स्रोतों के संरक्षण सम्बर्द्धन एवं पेयजल योजनाओं का समयान्तर्गत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा नवीन परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारण आदि कार्यों के लिए परामर्श दिये जाने हेतु कार्यालय ज्ञाप संख्या 467/उन्तीस(1)/2010(19अधि०)/05 दिनांक 19.05.2010 द्वारा गठित राज्य स्तरीय पेयजल सलाहकार समिति के अध्यक्ष के मानदेय यात्रा व्यय, कार्यालय व्यय, स्टाफ आदि मदों पर चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में रू० 2.25 लाख (रू० दो लाख पच्चीस हजार मात्र) के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।

2- यह स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन दी जा रही है कि धनराशि गोपन विभाग के शासनादेश संख्या 26/1/XXI/2009 दिनांक 23.10.09 में दी गयी व्यवस्थानुसार स्वीकृत मदों पर ही व्यय की जायेगी। स्वीकृत धनराशि से अधिक का व्यय किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।

3- उपरोक्त प्रस्तर-2 में उल्लिखित शर्त का अनुपालन विभाग एवं उपक्रम में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/सहायक लेखाधिकारी सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार से विचलन पाया जाता है तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि का उत्तरदायित्व निर्धारित होगा तथा वे सम्पूर्ण विवरण सहित सूचना वित्त विभाग को उपलब्ध करायेगे।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का वास्तविक आवश्यकतानुसार ही उपयोग किया जाय तथा व्यय की गयी धनराशि का मदवार व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

- 5- समिति के मा0 अध्यक्ष की सहमति के अनुसार उन्हें मिलने वाले मानदेय में से रु0 1100/- की धनराशि प्रतिमाह मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष में जमा की जायेगी।
- 6- इस सम्बंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01- जलापूर्ति-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03-पेयजल सलाहकार समिति-00- 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।
- 7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-186/XXVII(2)/2010, दिनांक 10 जून, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0एच0खान)

सचिव

पृ0सं0 4786/उन्तीस(2)/10-2(17पे0)/2010 तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2-मण्डलायुक्त गढ़वाल एवं कुमायूँ।
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4-मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5-मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान देहरादून।
- 6-निदेशक स्वजल परियोजना उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7-मा0 अध्यक्ष, राज्य स्तरीय पेयजल सलाहकार समिति।
- 8-वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
- 9-निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 10-स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
- 11-निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 12-निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव